मोपे इतनी कृपा बरसाना

मोपे इतनी कृपा बरसाना।
बस जाऊं तेरो बरसाना॥

यहां बदले मुकद्दर हैं जाते।
लोग बनकर दीवाने हैं आते॥
ऐसा पावन है तेरा ठिकाना, बस...

मैंने माना श्री राधे मैं गुनहगार हूं।
पाप इतने किया मैं शरमसार हूं॥
थोड़ी दृष्टि दया की दिखाना, बस...

मैंने ऐसा सुना तुम दयावान हो।
सब पर करती कृपा चाहे अनजान हो॥
फिर मैं क्यों रहूं बेगाना, बस...

तेरी दृष्टि दया की मुझे भी मिले।
तेरी भक्ति से जीवन की बगिया खिले॥
राह भक्ति की ऐसी दिखाना, बस...

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/36227/title/mope-itni-kripa-barsana

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |